नज़ारा तेरे खाटू का | By Suren Namdev

नज़ारा तेरे खाटू का मन को मेरे भा गया
सबको पार लगाते हो तुम जो भी दर पे आ गया

एक भरोसा तुम पर कि टूटने ना दोगे
एक बार जो पकड़ा हाथ फिर छूटने ना दोगे
तेरे नाम की बाबा जो मन में ज्योत जगा गया
सबको पार लगाते हो तुम जो भी दर पे आ गया

शरण में तेरी आकर हमको आनंद है आवे
तुम ही सबके नाव खिवैया सबको पार लगावे
उसको कभी ना संकट हो जो तुमको दिल में बसा गया
सबको पार लगाते हो तुम जो भी दर पे आ गया

शर्मा को अब क्या चाहिए जो धाम ही वो आ गया
लिखा नहीं था लकीरो में वो भी तुमसे पा गया
दोनों हाथ उठाकर वो जयकारा भी लगा गया
सबको पार लगाते हो तुम जो भी दर पे आ गया

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%95%e0%a4%be-by-suren-namdev/